चूहे का विवाह

एक प्राचीन लोक-कथा

एक बार एक चूहा था जो एक पत्नी पाना चाहता था.

लेकिन उसे कोई साधारण पत्नी न चाहिए थी.

“अगर मैं संसार के सबसे शक्तिशाली प्राणी की बेटी से विवाह नहीं कर सकता,” उसने अपने आप से कहा.

“तो मैं किसी के साथ विवाह नहीं करूँगा.”

बस, संसार के सबसे शक्तिशाली प्राणी की खोज में चूहा घर से निकल पड़ा

वह सूरज के पास गया. “आखिर,” चूहे ने सोचा, “सूरज से अधिक शक्तिशाली कौन होगा?”

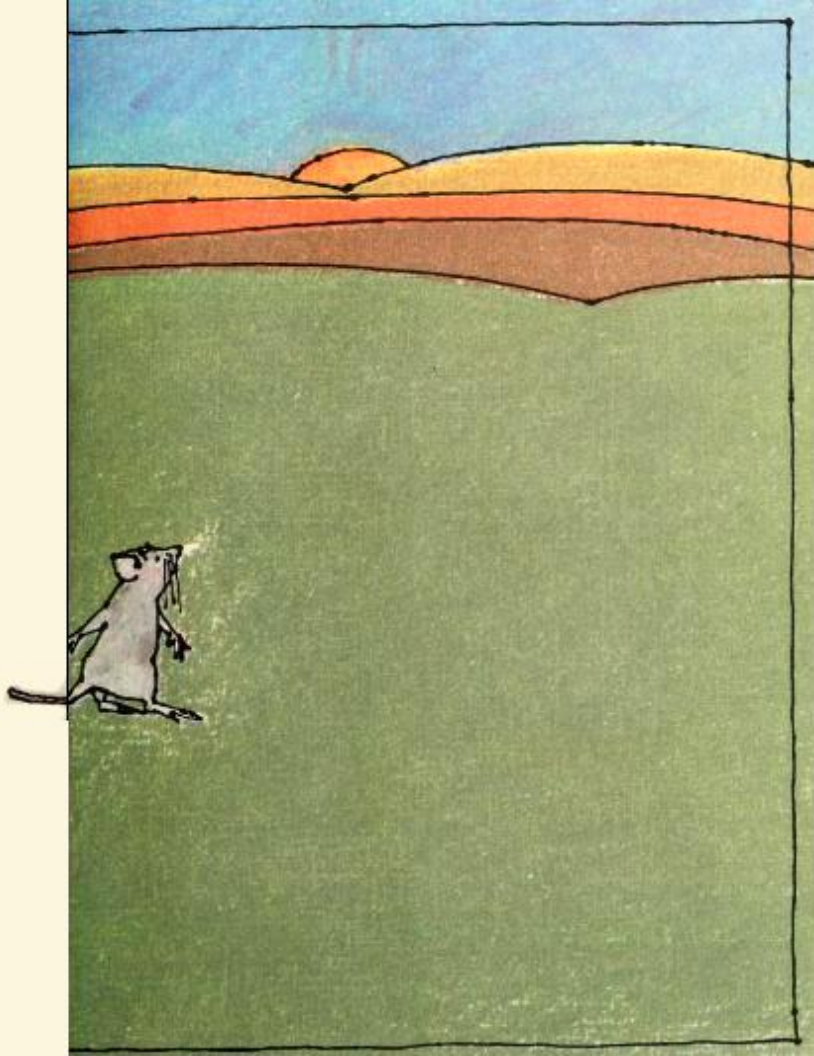

जब चूहा सूरज के पास पहुँचा तो उसने कहा,

“आप संसार में सबसे शक्तिशाली हैं. इसलिए मैं आपकी बेटी के साथ विवाह करना चाहता हूँ. अगर मैं आपकी बेटी के साथ विवाह नहीं कर सकता तो मैं किसी के साथ भी विवाह नहीं करूँगा.”

“मैं संसार में सबसे शक्तिशाली नहीं हूँ,” सूरज ने कहा. “मेरे से अधिक शक्तिशाली भी कोई है - वह है बादल.”

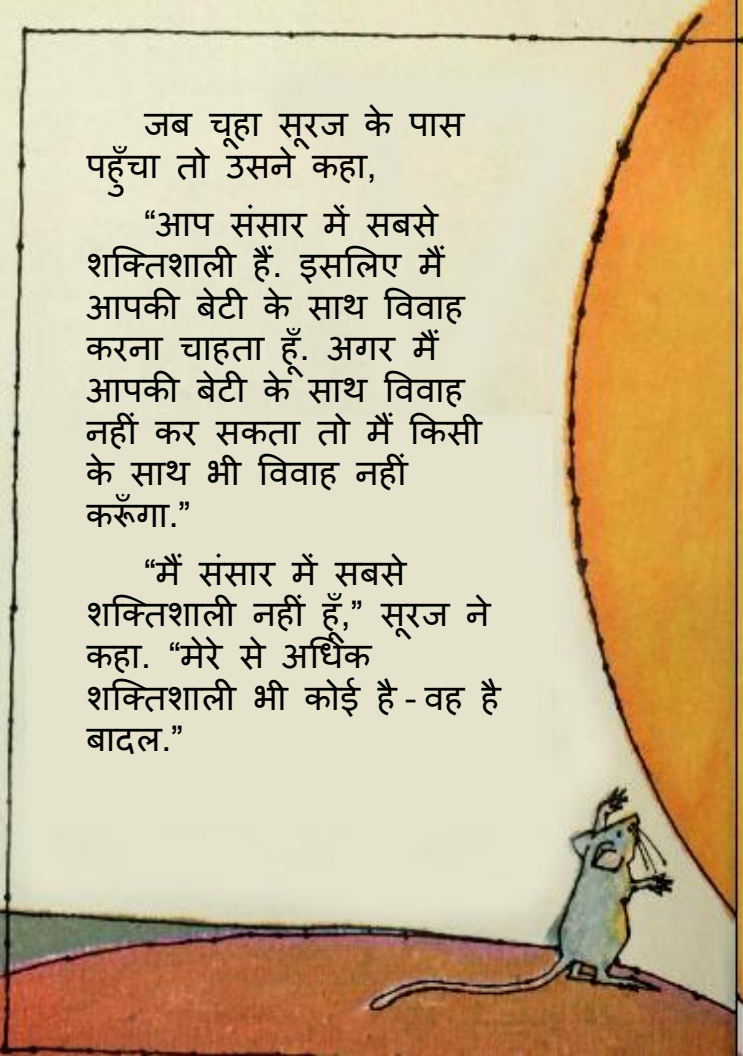

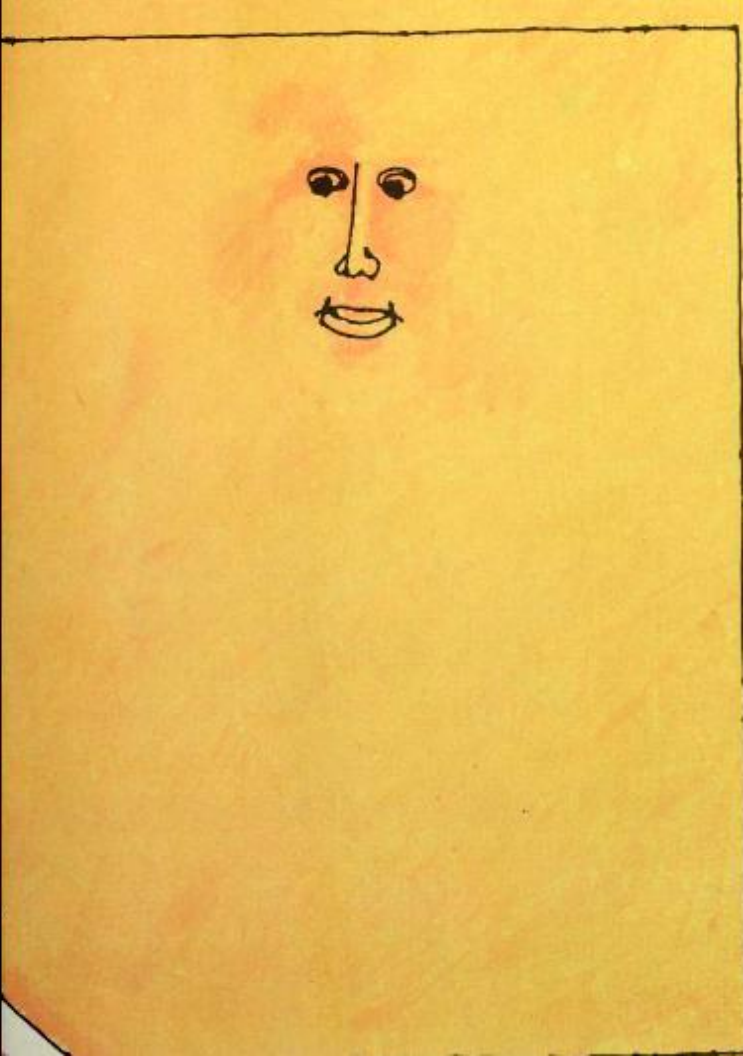

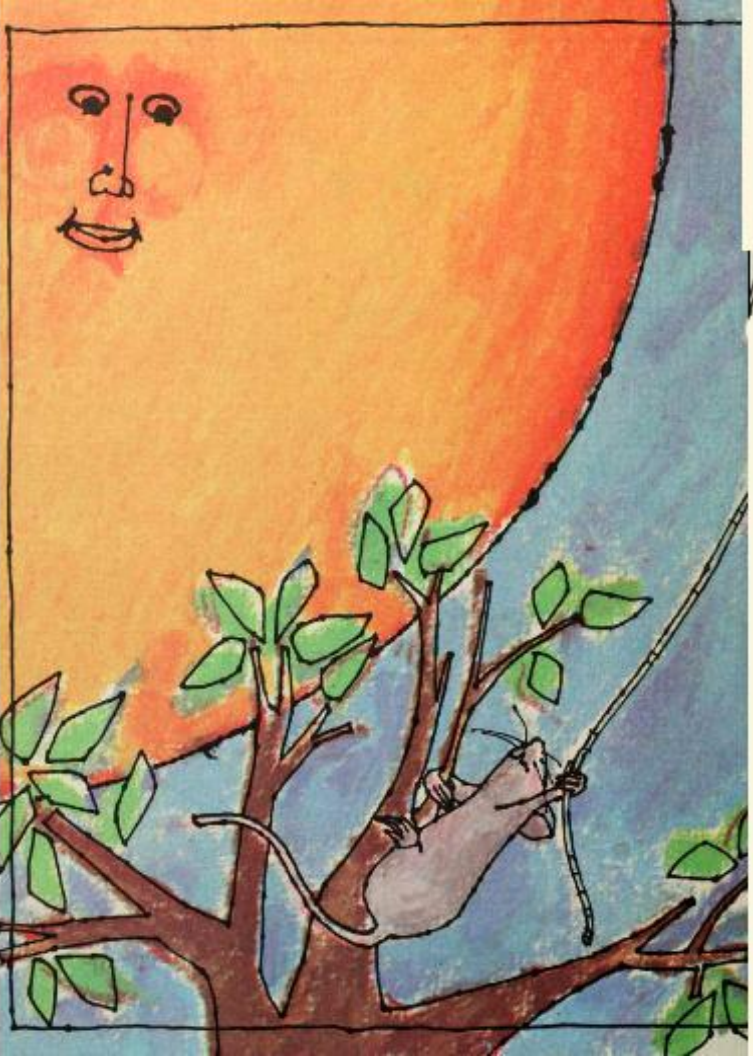

“बादल!” चूहा बोला.

“हाँ,” सूरज ने कहा.

“जब बादल मेरे सामने आ जाते हैं तो मैं धरती को प्रकाशित नहीं कर पाता.”

“फिर मैं बादल के पास जाऊँगा,” चूहे ने कहा.

“अपनी बेटी आप अपने पास रखें!”

और चूहा बादल की खोज में चल पड़ा.

जब चूहा बादल के पास पहुँचा तो उसने कहा, “आप संसार में सबसे शक्तिशाली हैं. इसलिए मैं आपकी बेटी के साथ विवाह करना चाहता हूँ. अगर मैं आपकी बेटी के साथ विवाह नहीं कर सकता तो मैं किसी के साथ भी विवाह नहीं करूँगा.”

“मैं संसार में सबसे शक्तिशाली नहीं हूँ,” बादल ने कहा. “मेरे से अधिक शक्तिशाली भी कोई है - वह है पवन.”

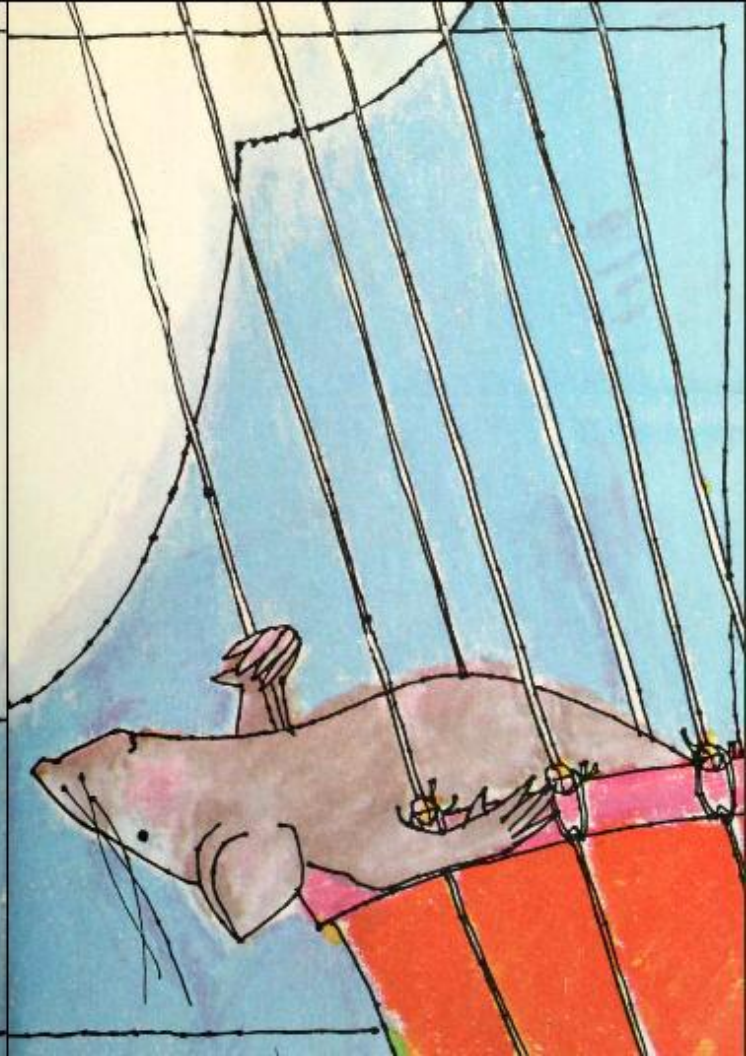

“पवन!” चूहा बोला.

“हाँ,” बादल ने कहा.

“पवन का एक झोंका भी मुझे दूर उड़ा देता है.”

“फिर मैं पवन के पास जाऊँगा,” चूहे ने कहा.

“अपनी बेटी आप अपने पास रखें!”

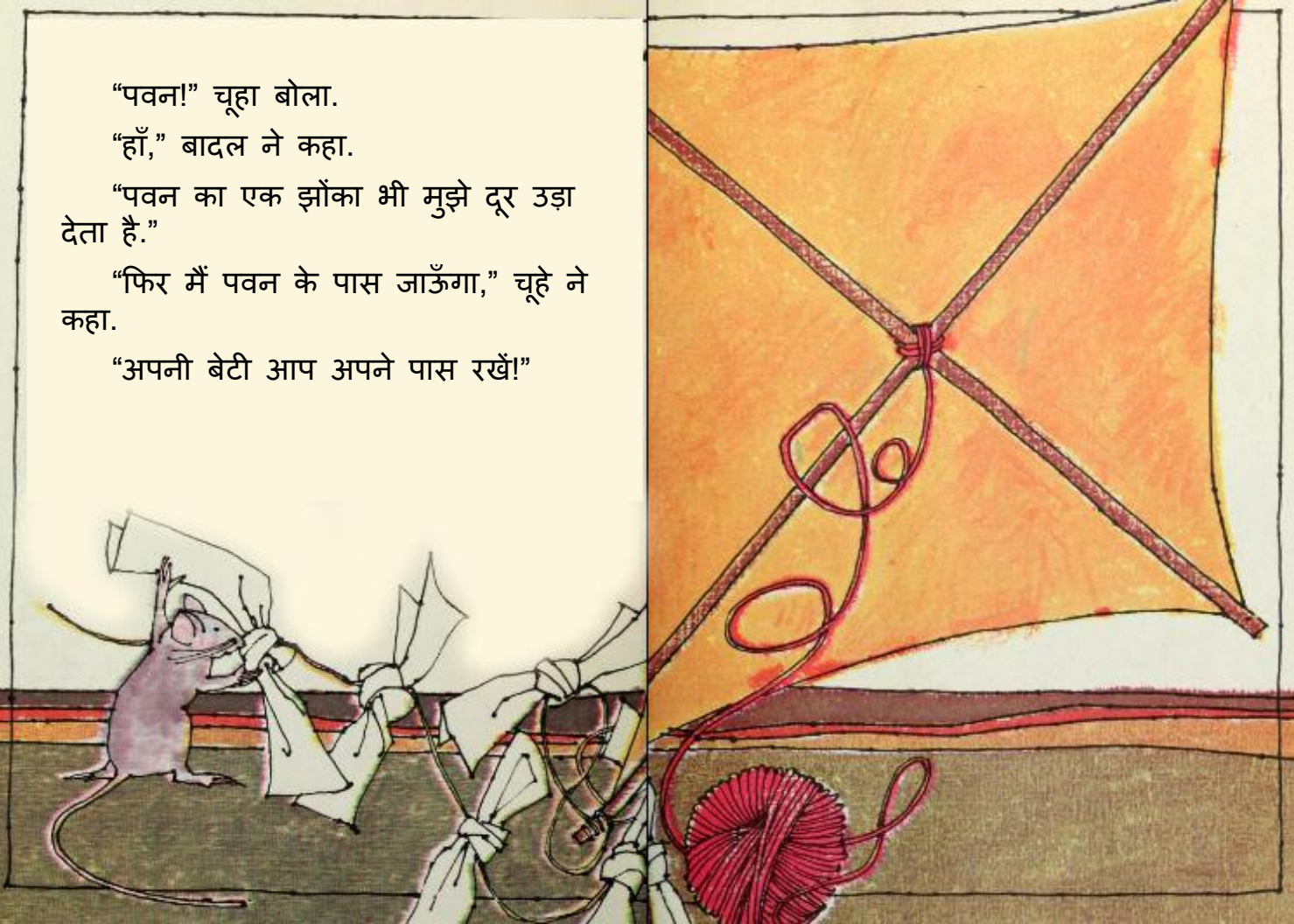

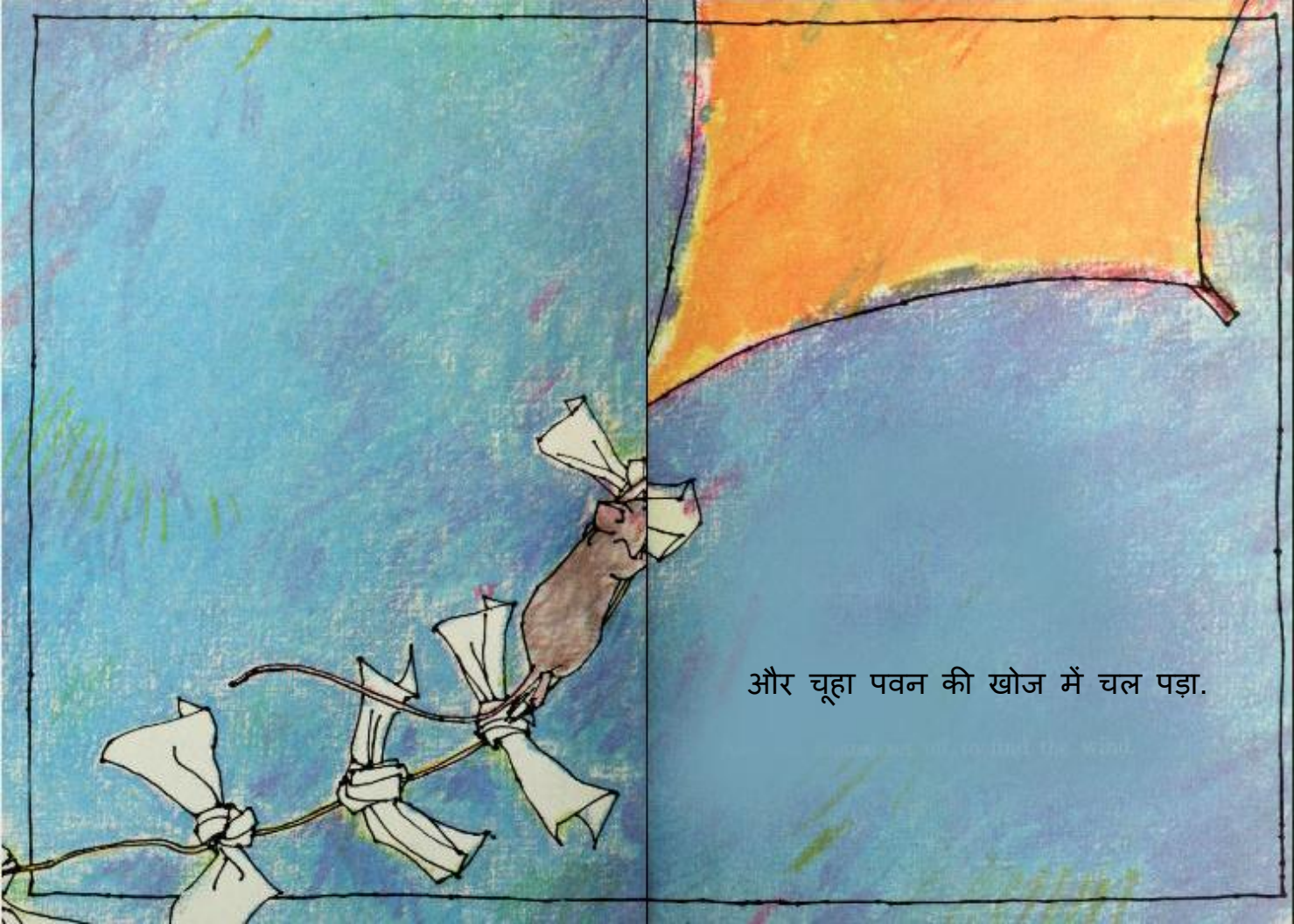

और चूहा पवन की खोज में चल पड़ा.

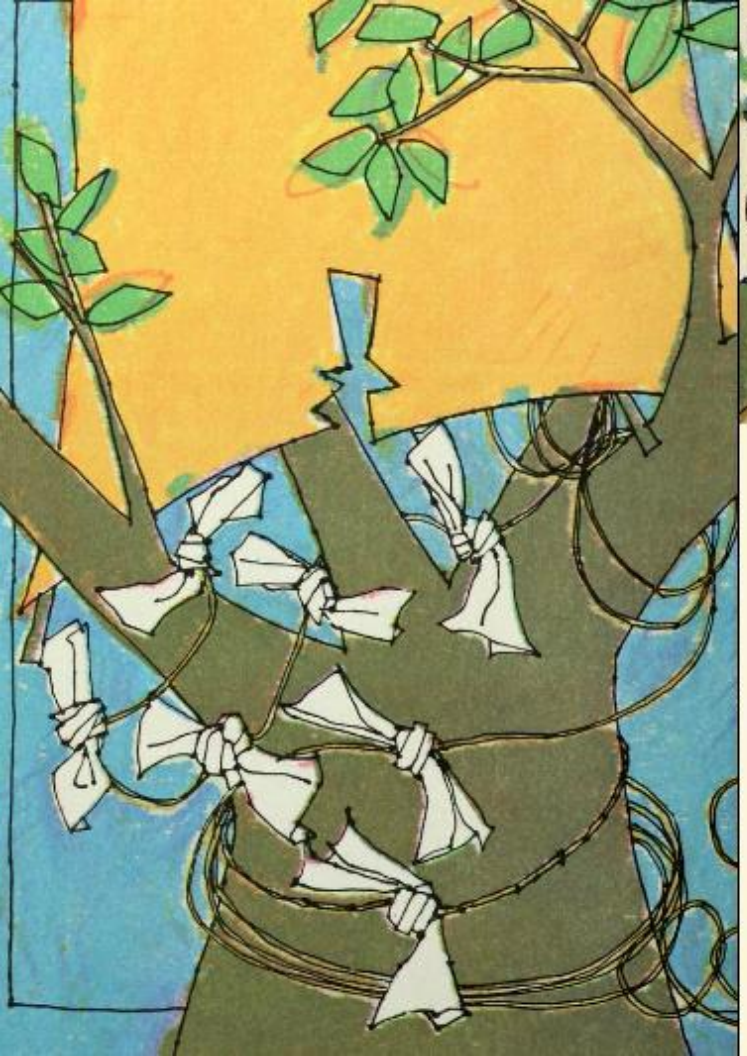

जब चूहा पवन के पास पहुँचा तो उसने कहा,

“आप संसार में सबसे शक्तिशाली हैं. इसलिए मैं आपकी बेटी के साथ विवाह करना चाहता हूँ. अगर मैं आपकी बेटी के साथ विवाह नहीं कर सकता तो मैं किसी के साथ भी विवाह नहीं करूँगा.”

“मैं संसार में सबसे शक्तिशाली नहीं हूँ,” पवन ने कहा. “मेरे से अधिक शक्तिशाली भी कोई है - वह मीनार जो तुम वहाँ देख रहे हो.”

“मीनार!” चूहा बोला.

“हाँ,” पवन ने कहा. “मैं इतना शक्तिशाली नहीं हूँ कि उस मीनार को गिरा दूँ.”

“फिर मैं मीनार के पास जाऊँगा,” चूहे ने कहा.

“अपनी बेटी आप अपने पास रखें!”

और चूहा मीनार की खोज में चल पड़ा.

जब चूहा मीनार के पास पहुँचा तो उसने कहा,

“संसार के सबसे शक्तिशाली प्राणी की खोज में मैंने सब जगह ढूँढ़ लिया है.

मैं सूरज के पास गया था.

मैं बादल के पास गया था.

मैं पवन के पास गया था.

और अब मैं आपके पास आया हूँ.

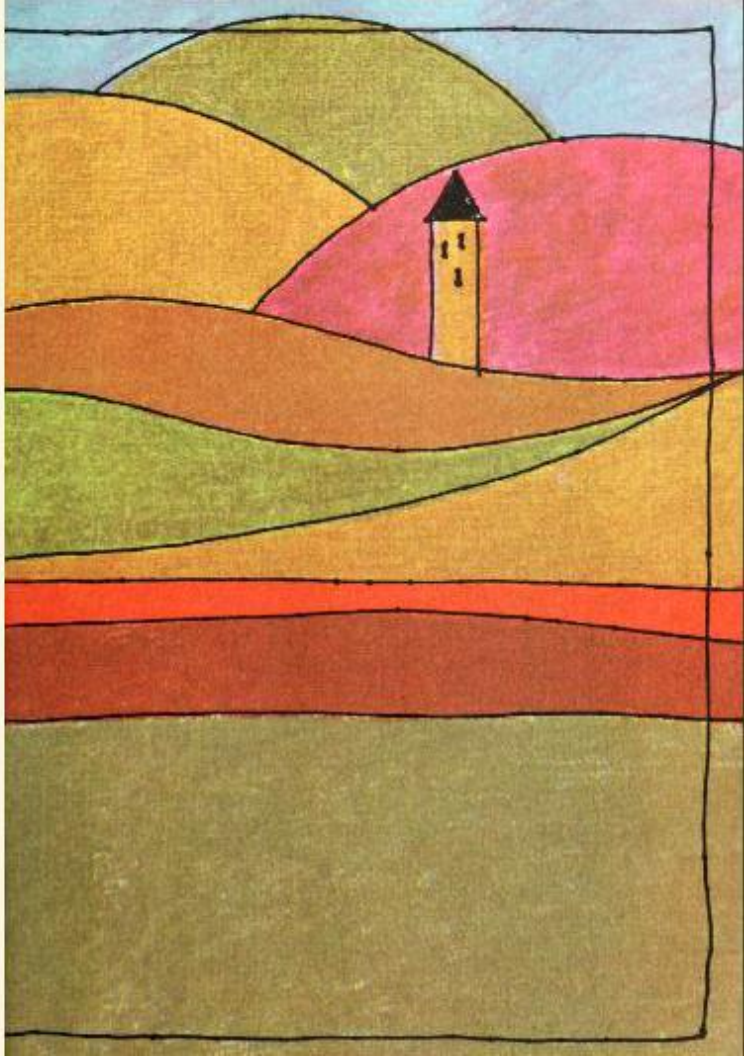

क्या आप संसार में सबसे शक्तिशाली हैं?

अगर आप हैं, तो मैं आपकी बेटी से विवाह करना चाहता हूँ."

"मैं संसार में सबसे शक्तिशाली नहीं हूँ," मीनार ने कहा. "मेरे से अधिक शक्तिशाली भी कोई है - और वह है एक छोटा चूहा."

"एक छोटा चूहा!" चूहा बोला.

"हाँ," मीनार ने कहा.

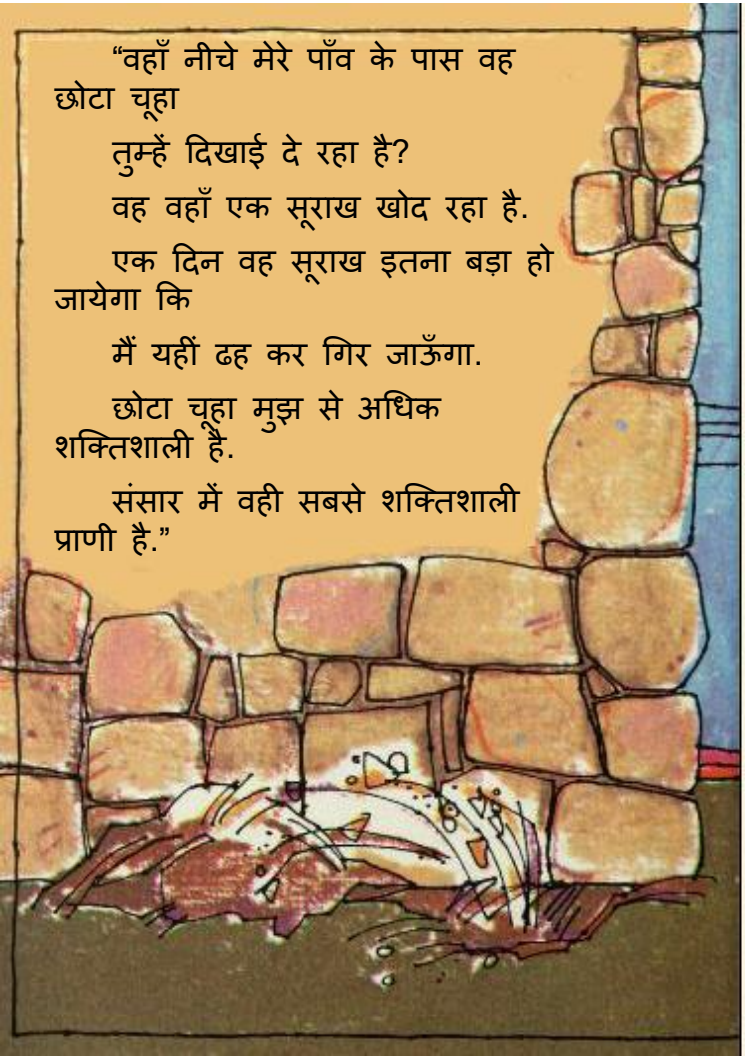

"वहाँ नीचे मेरे पाँव के पास वह छोटा चूहा

तुम्हें दिखाई दे रहा है?

वह वहाँ एक सूराख खोद रहा है.

एक दिन वह सूराख इतना बड़ा हो जायेगा कि

मैं यहीं ढह कर गिर जाऊँगा.

छोटा चूहा मुझ से अधिक शक्तिशाली है.

संसार में वही सबसे शक्तिशाली प्राणी है."

"संसार में सबसे शक्तिशाली प्राणी!"

चूहे ने कहा.

"फिर तो मैं छोटे चूहे के पास जाऊँगा.

मैं उसकी बेटी के साथ विवाह करूँगा.

और हमारा विवाह संसार में

सबसे शानदार विवाह होगा."

और उन्होंने
वैसा ही किया.

सैंकड़ों-सैंकड़ों वर्ष पहले भी
यह लोक-कथा पढ़ने में मज़ा आता था
और आज भी इसे पढ़ने में मज़ा आता है.